प्रस्तुती :– 225 मिली सिरप

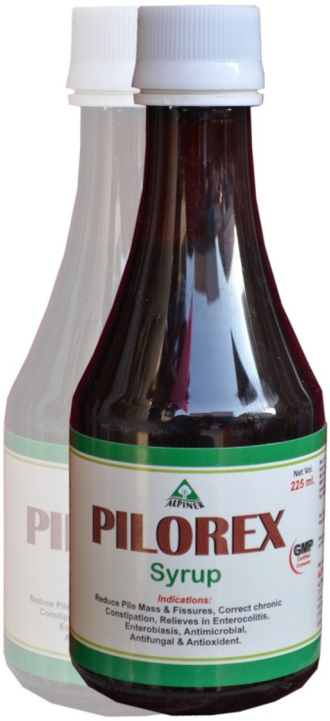

PILOREX Syrup
पाइलोरेक्स सिरप

औशधीय प्रमाणिक विवरण :–

यह योग खूनी व बादी बवासीर रोगरोधी एक अद्भुत प्रभावकारी है।

प्रभावकारी जड़ी–बूटियों का परीचय :–

नीम, मूला, गोरखमुण्डी, दन्ती, दारुहल्दी, कूड़ा–छाल, चव्य, चित्रक, हरड़, बहेड़ा, आंवला, सौंठ, कालीमिर्च, पीपल, बायबिड़ंग, अती"ा, लाजवन्ती, कुटकी, पला"ा, मंजिश्ठा एवं समकक्ष प्रभावकारी दुर्लभ वनौषधियों के क्वाथ/स्वरस द्वारा भा. वित कराकर फोर्टीफाईड कर आयुर्वेदिक विधि विधान से निर्माण किया गया है।

औशधीय गुणधर्म :–

⇒ यह योग खूनी व बादी बवासीर, गुदा की खुजलाहट, आन्त्रशोथ, आन्त्रगत सिस्ट, कब्ज, गैंस रोग निवारण हेतु अति उत्तम प्रभावकारी है।

⇒ इस योग के सेवन से बवासीर के कष्टकारी ऑपरे"ान से बचा जा सकता है।

⇒ इस योग के सेवन से 3 दिन प"ाचात् रोगी को आराम मिलना शुरु होकर 10 दिन प"ाचात् कोई तकलीफ नहीं रहती है।

औशधीय सेवन हेतु निर्दे"ा :–

⇒ जीर्ण, कब्ज, गैंस व पित्त रोग में पाइलोरेक्स का सेवन एसीडोल सिरप के साथ करें।

⇒ जीर्ण रोग की अवस्था में पाइलोरेक्स का सेवन 3–6 माह तक करने से बवासीर रोग से निजात मिल जाती है।

मात्रा :–

व्यसक 2–2 चम्मच (10-10ml) औषध प्रातः –सांय भोजनोपरान्त सुलभ हो तो मूली के ज्यूस या चौगुणे स्वच्छ जल में मिलाकर सेवन करें।

दुश्प्रभाव :– कोई नही है।

निर्दे"ा :– योग्य चिकित्सक की देखरेख में ही सेवन करें।